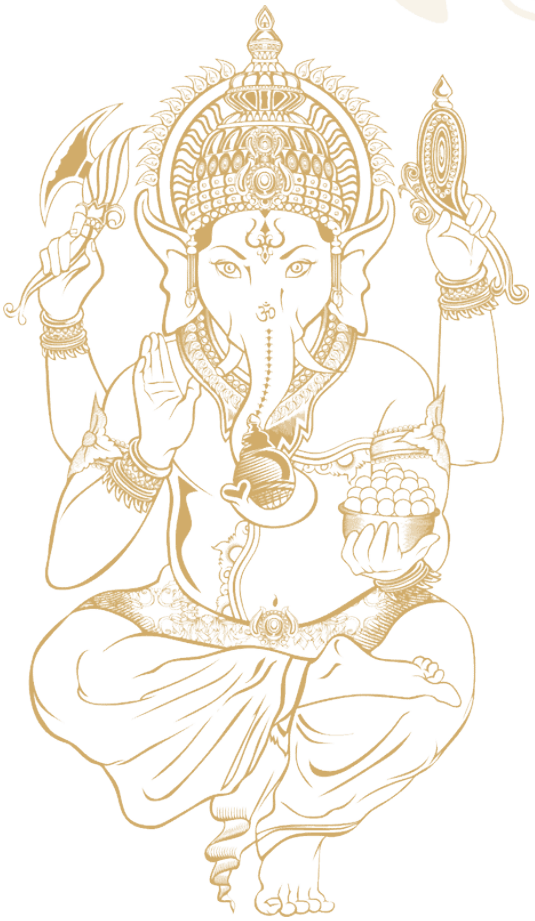

Lalit

Lucky

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121854304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/02/2000	जन्म तिथि	14/01/2000
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:35:00	जन्म समय	21:28:00 घंटे
घटी 06:19:53	जन्म समय(घटी)	35:31:55 घटी
India	देश	India
Nuh	स्थान	Alwar
28:07:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
77:00:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:00	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:02	सूर्योदय	07:15:43
18:09:47	सूर्यास्त	17:49:27
23:51:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:14

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 2मा 5दि		19:56:35	मीन	लग्न	सिंह	17:59:10	केतु 6वर्ष 4मा 14दि	
चन्द्र		28:53:16	मक	सूर्य	धनु	29:56:08	शुक्र	
19/04/2018		18:32:44	मेष	चंद्र	मेष	01:11:41	30/05/2006	
18/04/2028		06:14:28	मीन	मंगल	कुंभ	14:18:58	30/05/2026	
चन्द्र	17/02/2019	16:35:00	कुंभ	बुध	धनु	29:03:30	शुक्र	29/09/2009
मंगल	18/09/2019	05:42:27	मेष	गुरु	मेष	02:13:14	सूर्य	29/09/2010
राहु	19/03/2021	28:42:44	धनु	शुक्र	वृश्चि	23:42:40	चन्द्र	30/05/2012
गुरु	19/07/2022	17:18:55	मेष	शनि	मेष	16:26:25	मंगल	30/07/2013
शनि	17/02/2024	09:41:11	कर्क व	राहु व	कर्क	09:53:19	राहु	29/07/2016
बुध	19/07/2025	09:41:11	मक व	केतु व	मक	09:53:19	गुरु	30/03/2019
केतु	17/02/2026	23:17:05	मक	हर्ष	मक	21:39:06	शनि	30/05/2022
शुक्र	19/10/2027	10:53:37	मक	नेप	मक	09:49:20	बुध	30/03/2025
सूर्य	18/04/2028	18:45:00	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:02:18	केतु	30/05/2026

लग्न-चलित

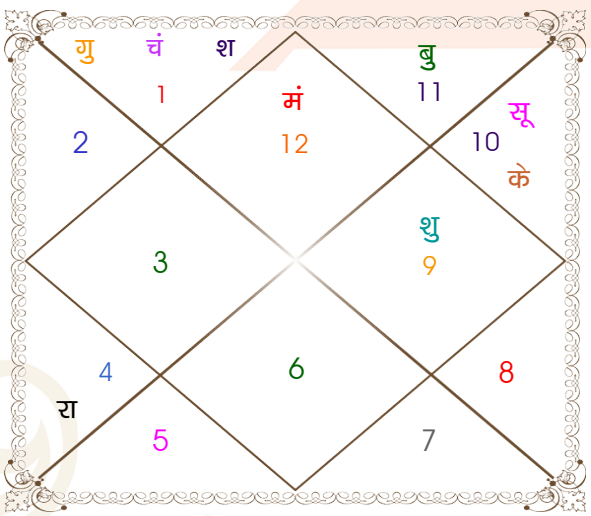

लग्न-चलित

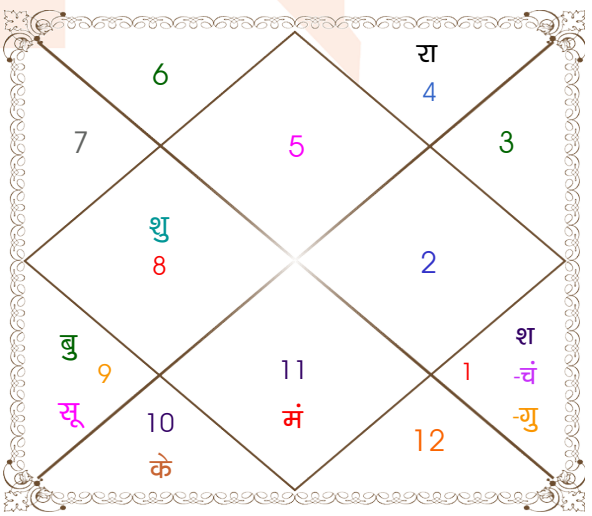

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

स्ंसपज का वर्ग मृग है तथा स्नबाल का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्ंसपज और स्नबाल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

स्ंसपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

स्नबाल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

स्ंसपज तथा स्नबाल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।